सार-समाचार

नारकोटिक्स टीम ने अवैध मादक पदार्थ गांजा के पौधे जब्त किये

कोटा, (निसं)। नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) टीम ने सूचना पर प्रतापगढ़ जिले में कार्यवाही करते हुए अवैध रूप से उगाए गये 34.200 किलोग्राम गांजे के पौधे जप्त किये। केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के उप नारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि मुखबीर से सूचना मिली कि प्रतापगढ़ जिला स्थित ग्राम पंचायत सोडलपुर के ग्राम मुंडीखेडा गांव में एक कृषि भूमि पर अवैध रूप से अवैध मादक पदार्थ गांजा की खेती की जा रही है। उक्त सूचना पर सीबीएन प्रतापगढ़ सेल, जिला अफीम अधिकारी, प्रतापगढ़-1 एवं प्रतापगढ़-2 की संयुक्त टीम गठित की गई एवं गठित टीम को कार्यवाही के लिये मौके पर रवाना किया गया। उप नारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि कार्यवाही के दौरान आवश्यक सुरक्षा एवं सहयोग के लिये कार्यवाही में स्थानीय पुलिस को भी शामिल किया गया। टीम ने मौके पर पहुंचकर देखा तो मौके पर कृषि भूमि पर अवैध रूप से अवैध मादक पदार्थ गांजे के पौधो की खेती पाई गई, मौके पर ग्राम मुंडीखेडा निवासी संदिग्ध व्यक्ति बापूलाल पौधो की देखभाल करते हुए पहचाना गया जो टीम को देखकर तालाब की ओर भागा, टीम ने मौके पर संदिग्ध की तलाश की लेकिन उसका कोई पता नही चला। टीम ने मौके पर भूमि के निरीक्षण के दौरान कई अवैध मादक पदार्थ गांजे के पौधे उखड़े हुए पाये गये, टीम ने मौके पर कार्यवाही करते हुए अवैध मादक पदार्थ 34.200 किलोग्राम के गांजे के पौधे बरामद किये। कानून औपचारिकता पूरी करने के बाद मौके पर मौजूद टीम ने अवैध मादक पदार्थ गांजे के पौधो को जब्त किया, मामले में आगे की जांच जारी है।

विजयादशमी पर्व हर्षोल्लास से मनाया

रावतभाटा, (निसं)। रावतभाटा उपखंड क्षेत्र में असत्य पर सत्य और बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक पावन पर्व विजयादशमी मंगलवार को अत्यंत हर्षोल्लास, परंपरा और उत्साह के साथ मनाया गया। नगर में आयोजित कार्यक्रमों के दौरान शहर के राणा पूंजा स्टेडियम में भगवान श्रीराम के धनुष से छूटे बाण ने रावण के अहंकार का अंत किया, जिससे बुराई पर अच्छाई की विजय का संदेश गूंज उठा। इस ऐतिहासिक दहन कार्यक्रम के दौरान कुंभकरण और मेघनाथ के पुतलों का भी विधिवत् दहन किया गया। विजयादशमी के पावन अवसर पर रावतभाटा के हाट चौक स्थित प्रसिद्ध श्री अनोखे राज हनुमान मंदिर से एक भव्य और आकर्षक शोभायात्रा निकाली गई। ढोल-नगाड़ों और पारंपरिक बैंड-बाजों की मधुर धुनों के बीच निकली इस शोभायात्रा में भगवान श्रीराम, लक्ष्मण और हनुमान जी की जीवंत झांकियों के साथ-साथ शिव परिवार, माता जगदंबा और अन्य मनमोहक धार्मिक झांकियां शामिल थीं। यह शोभायात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होती हुई राणा पूंजा स्टेडियम पहुंची, जहां हजारों की संख्या में नगर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे श्रद्धालु उपस्थित थे। स्टेडियम पहुंचने पर विधि-विधान के साथ भगवान श्रीराम, लक्ष्मण और हनुमान जी ने रावण, कुंभकरण और मेघनाथ के पुतलों के चक्कर लगाए। इसके पश्चात मंच पर भगवान श्रीराम और रावण के बीच रोमांचक युद्ध का मंचन हुआ, जिसे देखकर दर्शक रोमांचित हो उठे।

विजयादशमी पर पथ संचलन निकला

बूंदी (निसं)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ तालेड़ा मंडल का पथ संचलन मंगलवार को तालेड़ा-अकतासा के मुख्य मार्गों से निकला। पथ संचलन में स्वयंसेवकों ने कदम से कदम मिलाकर एकजुट रहने का संदेश दिया । साथ में चल रहे बैंड वादकों ने अपनी धुनो से वातावरण में देशभक्ति की सुगंध बिखेर दी। कस्बेवासियों व विभिन्न संगठनों ने पथ संचलन का जगह जगह पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। इससे पहले अकतासा में विजयादशमी उत्सव व शस्त्र पूजा का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष तालेडा की सेवा बस्ती के मेघराज ने भारत माता की जय बोलते हुए समाज को संगठित रहने का संदेश दिया। बौद्धिककर्ता के रूप में जिला कार्यवाह सत्यनारायण जांगिड ने संघ के 101 वर्ष पूर्ण होने पर युवाओं को श्रीराम के आदर्शों को अपनाने व समाज को संगठित करने का संदेश दिया। जांगिड ने युवाओं से देशभक्ति से ओतप्रोत होकर देशहित में कार्य करने का आव्हान किया। उन्होंने संघ के पंच परिवर्तनों के बारे में अवगत कराया। समाज के लोग नागरिक शिष्टाचार, कुटुंब प्रबोधन, स्वदेशी की भावना, पर्यावरण जागरूकता व सामाजिक समरसता से सकारात्मक परिवर्तन का सकते है।

सिंधी कार्यक्रम में धूम मचाएंगे रॉकस्टार नील तालरेजा

कोटा, (निसं)। 133वें राष्ट्रीय दशहरा मेला कोटा में सिंधी कार्यक्रम 22अक्टूबर को विजय श्री रंगमंच पर रात्री 8 बजे आयोजित होगा। पूजा सिंधी जनरल पंचायत संस्थान के अध्यक्ष ओम आडवाणी ने बताया कि इस बार दशहरा मेला में सिंधी कार्यक्रम में सिंधी सनसनी रॉकस्टार नील तलरेजा को आमंत्रित किया गया है। मुंबई के रहने वाले सिंधी रॉकस्टार नील तलरेजा हिंदी संगीत की दुनिया में एक धूम मचाने वाला कलाकार है और पिछले 10 सालों से यादगार 500 से ऊपर हिंदुस्तान, दुबई लंदन, दोहा, अमेरिका सहित कई देशों में लाईव कंसर्ट कार्यक्रम दे चुके हैं, कई बॉलीवुड समारोह कॉरपोरेट इवेंट्स,चैरिटी इवेंट्स, सिंधी कार्यक्रम आदि में लगातार कार्यक्रम दे रहे हैं। ऊर्जा से भरपूर कलाकार सिंधी लोकगीत झूलेलाल के भजन, सूफी कलाम और म्यूजिक कंपोजर परफॉर्मर और सिंधी लोकगीत के जाने-माने कलाकार नील तलरेजा दो लघु फिल्म के साथ-साथ निजी म्यूजिक वीडियो बन चुके हैं। लाईव बैंड के साथ देश-विदेश में सिंधी कार्यक्रमों की धूम मचा रहे है। बॉलीवुड गीत में उनका युवाओं को आकर्षित करने का एक अलग ही हुनर है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाईक सवार पिता-पुत्र की मौत

कोटा, (निसं)। आरकेपुरम् थाना इलाके में अज्ञात वाहन की टक्कर से बाईक सवार पिता-पुत्र की मौत हो गई, हादसे में युवक की पत्नी व मृतक का छोटा बेटा घायल हो गये। पुलिस ने बताया कि बच्चों के कपड़े खरीदने के लिये नरेश भील (38) बाईक से पत्नी रेखा व बड़े बेटे राहुल व छोटे बेटे विकास को लेकर बाजार की तरफ रवाना हुआ था, आरकेपुरम् इलाके के दौलतगंज के समीप अज्ञात वाहन ने बाईक को टक्कर मार दी। हादसे में नरेश के बड़े बेटे राहुल (13) की मौके पर ही मौत हो गई टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाईक से गिरने से नरेश के सिर में गंभीर चोट लगी, हादसे में घायल नरेश की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई, हादसे में नरेश के छोटे बेटे व उसकी पत्नी को भी चोट आई है। पुलिस ने बताया कि घटना में नरेश और उसके बड़े बेटे राहुल की मौत हो गई, पुलिस ने दोनों मृतकों के शवों का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है, मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

ट्रैक्टर-ट्रॉली की चपेट से वृद्धा की मौत

छबड़ा (निसं)। कृषि उपज मंडी में ट्रैक्टर-ट्रॉली की चपेट में आने से 72 वर्षीय महिला की मौत हो गई। पुत्र की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। संजय रैगर निवासी गोड़ियाचारण, हाल गणपति नगर गुगोर फाटक के पास ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि उसकी मां कंचन बाई (72) रोजाना मंडी में अनाज बीनने का काम करती थी। 16 अक्टूबर को सुबह करीब 7:40 बजे सूचना मिली कि मंडी में ट्रैक्टर-ट्रॉली की चपेट में आने से उनकी मां घायल हो गई हैं। इस पर वे मौके पर पहुंचे और छबडा के राजकीय चिकित्सालय ले गए। वहां से उन्हें बारां रेफर किया गया। बाद में कोटा के निजी अस्पताल ले जाने पर चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। रिपोर्ट में ट्रैक्टर चालक पर लापरवाही से वाहन चलाने का आरोप लगाते हुए ट्रैक्टर पर नंबर प्लेट नहीं होने की बात भी कही गई है।

नौ दिवसीय अखंड गायत्री मंत्र जप की पूर्णाहुति

रामगंजमंडी, (निसं)। गायत्री शक्तिपीठ रामगंजमंडी में शारदीय नवरात्र के दौरान नौ दिनों तक चली सामूहिक अखंड गायत्री मंत्र जप साधना की पूर्णाहुति मंगलवार को पंचकुंडीय गायत्री महायज्ञ, कन्या पूजन एवं कन्या भोज के साथ हुई। नौ दिनों तक साधकगण ने नियमित जप-साधना कर आत्मशुद्धि, सद्बुद्धि एवं विश्व कल्याण की कामना की। यज्ञ का संचालन अंजनी कुमार शर्मा एवं अयोध्या प्रसाद ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ करवाया। कार्यक्रम में गायत्री परिवार की विचारधारा के अनुरूप व्यक्ति निर्माण, संस्कार निर्माण एवं लोकमंगल का संदेश दिया गया। इस अवसर पर सभी ट्रस्टी एवं सदस्य उपस्थित रहे। मुख्य प्रबंध ट्रस्टी पंकज काला ने सभी साधकगण, कार्यकर्ताओं एवं श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया।

कोटा : आग से जलने की जगह पैरों से रौंदा गया मिट्टी का रावण

कोटा, (निसं)। देशभर में विजयादशमी के पावन पर्व पर जहां रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के विशाल पुतलों को तीरों और पटाखों से जलाया जाता है, वहीं शिक्षा नगरी कोटा में एक बेहद अनूठी और सदियों पुरानी परंपरा जीवित है। कोटा के नांता क्षेत्र में स्थित जेठी समाज के ऐतिहासिक लिम्बजा माता मंदिर अखाड़े में मंगलवार को मिट्टी से बने विशालकाय रावण को पैरों तले कुचलकर नष्ट किया गया।

इस अनूठे आयोजन में नन्हे बच्चों से लेकर वरिष्ठ और अनुभवी पहलवानों तक ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अहंकार के प्रतीक रावण का मर्दन किया। मंदिर की सेवा पूजा करने वाले सोहन जेठी बताते हैं कि वह लंबे समय से इस काम से जुड़े हुए हैं। समाज में रियासत काल से ही इस तरह से मिट्टी का रावण बनाने की परंपरा है। उसे कुचलना की परंपरा है। बाद में अखाड़े में कुश्ती का आयोजन किया जाता है। रौंदने के पहले लिम्बजा माता की पूजा अर्चना की जाती है। जेठी समाज के लोग अपने घरों से माता के लिए भोग लेकर आते हैं। मंदिर के पुजारी सोहन जेठी के अनुसार, समाज में यह रीत रियासतकाल से अनवरत चली आ रही है। दरअसल जेठी समाज मूल रूप से गुजरात के कच्छ का रहने वाला पहलवानों का समुदाय है।

इतिहास के मुताबिक, कच्छ की राजकुमारी का विवाह कोटा राजघराने में हुआ था तब राजकुमारी की सुरक्षा और सेवा के लिए जेठी पहलवान भी उनके साथ यहां आए थे। यहां आयोजित कुश्ती के विशाल दंगलों में इन पहलवानों ने अपनी असीम ताकत का लोहा मनवाया, जिससे प्रभावित होकर तत्कालीन कोटा दरबार ने उन्हें सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपते हुए यहीं बसा लिया। राजा ने उनके लिए अखाड़े और कुलदेवी लिम्बजा माता के मंदिरों की स्थापना कराई। तब से किशोरपुरा और नांता क्षेत्र में यह परंपरा पीढ़ी-दर-पीढ़ी निभाई जा रही है।

अखाड़े की मिट्टी से ही होता है तैयार:- श्राद्ध पक्ष की अमावस्या पर ही रावण बनाने का कार्य शुरू हो जाता है। जिसके तहत अखाड़े की मिट्टी को खोद कर ही रावण तैयार किया जाता है। इस मिट्टी के रावण बनाने में दूध, दही, शक्कर और शहद को भी डाला जाता जाता है। ताकि मिट्टी के रावण को कुचलने के बाद उस पर होने वाले कुश्ती के दंगल में पहलवानों को चोट नहीं लगे। रावण का दैत्य जैसा विशाल रूप उभारने के लिए मिट्टी पर गेहूं के बीज बोए जाते हैं जो नवरात्र के नौ दिनों में अंकुरित होकर हरे-भरे हो जाते हैं और पुतले को एक डरावना व विशाल आकार देते हैं। अखाड़े में युद्ध जैसा माहौल बनाया गया। एक तरफ माईक पर रावण की आवाज और अहंकार को बताया जा रहा था। दूसरी तरफ रणभेरी की बजाई जा रही थी। ढोल नगाड़े बज रहे थे और इसी बीच पहलवान मिट्टी के रावण को कुचल रहे थे।

मंदिर के पुजारी सोहन जेठी का कहना है कि समाज की परंपरा के अनुसार लिम्बजा माता मंदिर के सामने ही अखाड़े में ही पहलवान कुश्ती करते है लेकिन रावण बनाना नवरात्र के पहले से शुरू हो जाता है और मंदिर में किसी को भी प्रवेश नहीं दिया जाता है। श्रद्धालु केवल खिड़की से ही माता के दर्शन कर पाते हैं। दशहरे के दिन कुलदेवी की विशेष पूजा-अर्चना होती है। मंदिर में रावण दहन विजयदशमी के दिन ही प्रवेश करते हैं, रावण को देखते हैं।



कोटा में मिट्टी का रावण बनाकर उसे पैरों से रौंदा गया है।

- कोटा के नांता में जेठी समाज ने दशहरे पर मिट्टी के रावण को पैरों से रौंदने की रियासतकालीन परंपरा निभाई

भक्तजनों ने आस्था के साथ माता को विदा किया

कोटा, (निसं)। नौ दिनों तक नवरात्रि के धूम के पश्चात मंगलवार को भक्तजनों ने आस्था के साथ माता को विदा किया। इस दौरान केशवपुरा स्थित श्रीराम जानकी मंदिर में नवरात्र के उपलक्ष में आयोजित धार्मिक कार्यक्रम मंगलवार को श्रीरामायण पाठ की पूर्णाहुति के साथ संपन्न हुआ।

इस अवसर पर मंदिर परिसर में विधि-विधान से हवन किया गया। श्रद्धालुओं ने हवन में आहुतियां देकर परिवार और समाज की सुख-समृद्धि तथा खुशहाली की कामना की। हवन में नवरात्र के यजमान केशवपुरा स्थित हरिओम दूध डेयरी के लालचंद गोचर, कन्हैयालाल गुर्जर, लक्षिता गुर्जर, ओमप्रकाश सुमन परिवार रहे। हवन के पश्चात मंदिर में महाआरती की गई। इसमें श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान श्रीराम और माता जानकी के जयकारे लगाए। महाआरती के बाद भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया। आरती मंदिर के पुजारी पंडित दीपक शर्मा के सानिध्य में संपन्न हुई। गोदावरी धाम में भक्ति और आस्था का अनूठा नजारा देखने को मिला। यहां 551 दीपों से भव्य महाआरती की गई।

दीपों की रोशनी से मंदिर परिसर जगमगा उठा और पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। बाबा शैलेन्द्र भार्गव के सानिध्य में आयोजित महाआरती में बड़ी संख्या में महिला और पुरुष श्रद्धालुओं ने भाग लिया। महाआरती के दौरान श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव के साथ आराधना की। दीपों की जगमगाहट और धार्मिक वातावरण ने आयोजन को विशेष बना दिया। महाआरती के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। विजयादशमी के अवसर पर हुए इस आयोजन में श्रद्धालुओं की भागीदारी से गोदावरी धाम में उत्सवी माहौल रहा। श्री श्याम सेवा फाउंडेशन, कोटा की ओर से शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर दाढ़ देवी माताजी मंदिर रोड, गणेश मंदिर के पास छठा विशाल भंडारा आयोजित किया गया। भंडारे में लगभग 10,000 श्रद्धालुओं ने पहुंचकर भोजन-प्रसादी ग्रहण की और मां दाढ़ देवी माताजी का आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि दिनेश पारेता व शंकर खींची ने उपस्थित होकर भंडारे में सहभागिता की। इस अवसर पर श्री श्याम सेवा फाउंडेशन की कार्यकारिणी एवं पदाधिकारियों ने भंडारे की व्यवस्थाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कार्यकर्ताओं ने श्रद्धालुओं को प्रसादी वितरित कर सेवा भाव का परिचय दिया। भंडारे में संयोजक सुभाष सुमन, अध्यक्ष शिवम पारेता, कोषाध्यक्ष आनंद कुशवाह एवं महामंत्री अजय पारेता सहित कार्यकारिणी के पदाधिकारी मौजूद रहे। फाउंडेशन पदाधिकारियों ने बताया कि संस्था का उद्देश्य सेवा कार्यों के माध्यम से समाज को जोड़ना और जरूरतमंदों की सहायता करना है। भंडारे को सफल बनाने में सहयोग करने वाले सभी दानदाताओं, कार्यकताओं, पदाधिकारियों एवं श्रद्धालुओं का फाउंडेशन की ओर से आभार व्यक्त किया गया। सेवा ही सच्ची भक्ति है, के संदेश के साथ कार्यक्रम श्रद्धा और उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ।

- गोदावरी धाम में भक्ति और आस्था का अनूठा नजारा देखने को मिला, यहां 551 दीपों से महाआरती की गई

चलती ट्रेन से उतरते समय गिरी महिला यात्री, रेलवे कर्मचारियों की तत्परता से जान बची

कोटा, (निसं)। कोटा रेलवे स्टेशन पर मंगलवार तड़के चलती ट्रेन से उतरने के प्रयास में एक महिला यात्री प्लेटफॉर्म पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे के ऑपरेटिंग, वाणिज्य विभाग एवं रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के कर्मचारियों ने तत्परता दिखाते हुए महिला को तत्काल चिकित्स सहायता उपलब्ध कराई और रेलवे एम्बुलेंस से एमबीएस अस्पताल पहुंचाया।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि 20 अक्टूबर को गाड़ी संख्या 19020 हरिद्वार-बांद्रा एक्सप्रेस के एस-6 कोच में 53 वर्षीय कलावती बाई, निवासी बारां (राजस्थान), अपने पति राम सिंह नागर के साथ हरिद्वार से कोटा की यात्रा कर रही थी।

यात्रा के दौरान नींद में होने के कारण महिला कोटा स्टेशन पर समय से नहीं उतर सकी। रात करीब 03.10 बजे प्लेटफॉर्म संख्या-2 से ट्रेन के रवाना होने के बाद उन्होंने चलती ट्रेन से उतरने का प्रयास किया।

इस दौरान संतुलन बिगड़ने से वे प्लेटफॉर्म पर गिर गई और उनके सिर के पिछले हिस्से में गंभीर चोट लगी। घटना की पहली सूचना उप-स्टेशन अधीक्षक (परिचालन) मुकेश जैन को मिली।

उन्होंने तत्काल उप-स्टेशन अधीक्षक (वाणिज्य) विकास गुप्ता को सूचित किया और रेलवे एम्बुलेंस बुलवाई। सूचना मिलते ही विकास गुप्ता ने स्टेशन कर्मचारियों को स्ट्रेचर लेकर पहुंचने के निर्देश दिए और स्वयं तुरंत प्लेटफॉर्म संख्या-2 पर पहुंचे। इसके बाद विकास गुप्ता ने रेलवे सुरक्षा बल एवं स्टेशन कर्मचारियों के सहयोग से घायल महिला को स्ट्रेचर द्वारा रेलवे एम्बुलेंस तक पहुंचाया, जहां से उन्हें तत्काल एमबीएस अस्पताल, कोटा भेजा गया। रेलवे कर्मचारियों की त्वरित कार्रवाई, आपसी समन्वय एवं समय पर उपलब्ध कराई गई चिकित्सा सहायता से घायल महिला को बिना विलंब अस्पताल पहुंचाना संभव हुआ।

छबड़ा : 50 फीट ऊंचे रावण का दहन

छबड़ा (निसं)। असत्य पर सत्य और अधर्म पर धर्म की विजय के प्रतीक विजयादशमी पर्व पर छबड़ा में बुराई के प्रतीक अहंकारी रावण का दहन किया गया। रेणुका नदी के तट पर 50 फीट ऊंचे रावण के पुतले के दहन के साथ ही वातावरण जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा। रावण दहन देखने के लिए बडी संख्या में शहरवासी उमड पड़े। गायत्री मंदिर पर विभिन्न देवी-देवताओं की आकर्षक झांकियां सजाई गई। राम-लक्ष्मण सहित शिव-पार्वती, राधा-कृष्ण और मां सरस्वती की झांकियों समेत करीब आधा दर्जन झांकियां रथों में सुसज्जित होकर मंदिर परिसर में एकत्रित हुई। इसके बाद गाजे-बाजे के साथ जुलूस रवाना हुआ। जुलूस धरनावदा चौराहा, आजाद सर्किल, लोटा भैरू, अलीगंज बाजार और छत्री चौराहे से होता हुआ नदी दरवाजे के रास्ते रेणुका नदी के तट पर पहुंचा। मार्ग में श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। श्रीराम के बाण से धराशायी हुआ रावण का अहंकार रेणुका नदी तट पर पहुंचने के बाद भगवान श्रीराम और अहंकारी रावण के बीच प्रतीकात्मक संवाद हुआ। इसके पश्चात भगवान श्रीराम ने धनुष से बाण चलाकर रावण के पुतले का दहन किया।

विजयदशमी पर रावण दहन हुआ

कोटा, (निसं)।श्रीराम फर्टिलाइजर्स एण्ड केमिकल्स, श्रीराम सीमेंट वर्क्स, श्रीराम टेक्नोर लि. एवं फेनेस्टा बिल्डिंग सिस्टम में कार्यरत कर्मचारी कलाकारों द्वारा श्रीराम के जीवन चरित्र से संबंधित रामलीला के बाद डीसीएम श्रीराम लि. के कार्यकारी निदेशक एण्ड रेजीडेन्ट है वीनू मेहता एवं सलोनी मेहता ने सपरिवार मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का राज्याभिषेक किया।

साथ ही शारदीय नवरात्रा, श्रृद्धा व भक्ति के साथ पूर्ण विधि-विधान से डीसीएम श्रीराम लि.के कार्यकारी निदेशक एण्ड रेजीडेन्ट हैड वीनू मेहता द्वारा की गई पूजा के साथ सम्पन्न हुई। पूर्णाहुति के पश्चात् व्यवस्था से जुड़े कारखाने के सुरक्षा विभाग के कर्मचारी, श्रीराम स्वयं सेवक एवं श्रीराम रोवर्स का स्नेह मिलन समारोह आयोजित किया गया। इस मिलन समारोह में वीनू मेहता तथा सभी विभागों के विभागाध्यक्ष व कर्मचारी भी उपस्थित थे। समारोह में वीनू मेहता ने अपने संक्षिप्त संबोधन में सभी को विजयादशमी की शुभकामनायें दीं। आज के प्रसंगों में रावण-मन्दोदरी संवाद, रावण-वध, कुम्भकरण, मेघनाद एवं रावण के पुतलों का दहन, नृत्य, राज तिलक आदि मुख्य प्रसंग थे।

रावण दहन के साथ ही परिसर में आर्कषक आतिशबाजी शुरु हो गई, जिसे देख उपस्थित जन-समुदाय रोमांचित हो उठा। आर्कषक आतिशबाजी ने एक नई आकाशगंगा रच दी।



डीसीएम श्रीराम लि. में विजयदशमी पर रावण दहन हुआ।

शाही लवाजमे के साथ भगवान लक्ष्मीनारायण जी की सवारी निकली

कोटा, (निसं)। हाड़ौती की ऐतिहासिक और रियासतकालीन परंपरा का प्रतीक 133वां राष्ट्रीय मेला दशहरा-2026 मंगलवार को पूरे राजसी वैभव और ठाट-बाट के साथ परवान चढ़ा। गढ़ पैलेस में पारंपरिक 'दरीखाना' सजने और पूजा-अर्चना के बाद भगवान लक्ष्मीनारायण जी की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। जिसने शहरवासियों को प्राचीन संस्कृति और पौराणिक युद्ध दृश्यों से रूबरू कराया।

मंगलवार को रावण दहन से पूर्व गढ़ पैलेस में पारंपरिक दरीखाना सजा, जहां हाड़ौती क्षेत्र के पूर्व ठिकानों के प्रतिनिधि अपनी पारंपरिक और राजसी वेशभूषा में उपस्थित रहे। इस दौरान महापौर अनुसुईया गोस्वामी, उप महापौर विवेक राजवंशी सहित कई गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। सभी ने एक-दूसरे को विजयादशमी की बधाई देते हुए रामा-श्यामी की। इस दौरान जापान, चीन और ब्रिटेन के विदेशी पर्यटक भी मौजूद रहे।

शुभ मुहूर्त में शाम 6.31 बजे गढ़ पैलेस से भगवान लक्ष्मीनारायण जी की सवारी हाथी पर सवार होकर पूरे शाही ठाट-बाट के साथ रवाना हुई। शोभायात्रा में महाराव इज्येराज सिंह खुली जीप में सवार होकर चल रहे थे। यह सवारी गढ़ पैलेस से प्रस्थान कर किशोरपुरा दरवाजे से होती हुई दशहरा मैदान स्थित विजयश्री रंगमंच तक पहुंची। यात्रा में सबसे आगे घुड़सवार और सेना के जवान थे, जबकि हाथी पर सवार भगवान लक्ष्मीनारायण जी के विमान के साथ चंवर ढूलाते सेवक चल रहे थे।

गगनभेदी जयकारों के बीच मां दुर्गा को विदाई दी

छबड़ा (निसं)। मां दुर्गा के जयकारों से गूंजते माहौल, डीजे की धुन पर थिरकते श्रद्धालु और आसमान में उडती गुलाल के बीच मंगलवार को छबड़ा में दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन श्रद्धा और उल्लास के साथ किया गया। नवरात्र के नौ दिनों तक पूजा-अर्चना के बाद मां दुर्गा को भावभीनी विदाई देने के लिए शहर सहित ग्रामीण अंचल से बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़े। गगनभेदी जयकारों के साथ निकली विसर्जन यात्रा गुगोर के समीप पार्वती नदी के तट पर पहुंची, जहां विधि-विधान से पूजा-अर्चना और महाआरती के बाद लगभग 4 दर्जन से अधिक दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। क्षेत्र के विभिन्न पांडालों में स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए मंगलवार को सुबह से ही श्रद्धालुओं में उत्साह नजर आया। शहर सहित गांव-गांव और ढाणी-ढाणी में स्थापित प्रतिमाएं छबड़ा के बाहरी दरवाजे पर एकत्रित हुई। यहां से ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में सुसज्जित सिंहासनों पर विराजमान मां दुर्गा की प्रतिमाओं के साथ विसर्जन यात्रा रवाना हुई। यात्रा में डीजे की धुन पर युवा, महिलाएं, पुरुष और बच्चे माता के भजनों पर नाचते-गाते चल रहे थे।

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है मेरे पक्षकार वी.एन. शिवनकुट्टी आयु 83 वर्ष आत्मज नानू पानीकर जाति हिन्दू, निवासी 145, रामकृष्ण कॉलोनी, भदाना, रंगपुर रोड़, कोटा जं., कोटा (राज.) अपने छोटे पुत्र प्रकाश ए.एस. जो कि एक शराबी प्रवृति का व्यक्ति है। जिसने कभी भी मेरी देखभाल व सेवा सुश्रवा आदि नहीं की है बल्कि इसके विपरित वह मुझसे व मेरे बडे पुत्र के परिवार के साथ लडाई झगडा किया करता और मेरी कोई बात नही मानता था तथा मुझे व मेरे बडे पुत्र के परिवार को मारने की धमकी देता रहता है इस कारण मेरा पक्षकार अपने छोटे पुत्र प्रकाश ए.एस. को अपनी सम्पूर्ण चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल करता है और दिनांक 15.10.2026 के पश्चात् मेरा पक्षकार का उसके छोटे पुत्र प्रकाश ए.एस. से किसी प्रकार का कोई संबंध नही रहेगा और कोई भी व्यक्ति अगर मेरे छोटे पुत्र प्रकाश ए.एस. से किसी प्रकार का कोई लेन-देन करता है तो उसके लिये मेरे पक्षकार का कोई लेना-देना नही होगा। सूचित हो।

दिनांक-20.10.2026
कोटा

भवदीय
देवदत्त शर्मा, एडवोकेट
राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर
मो. 9667845586

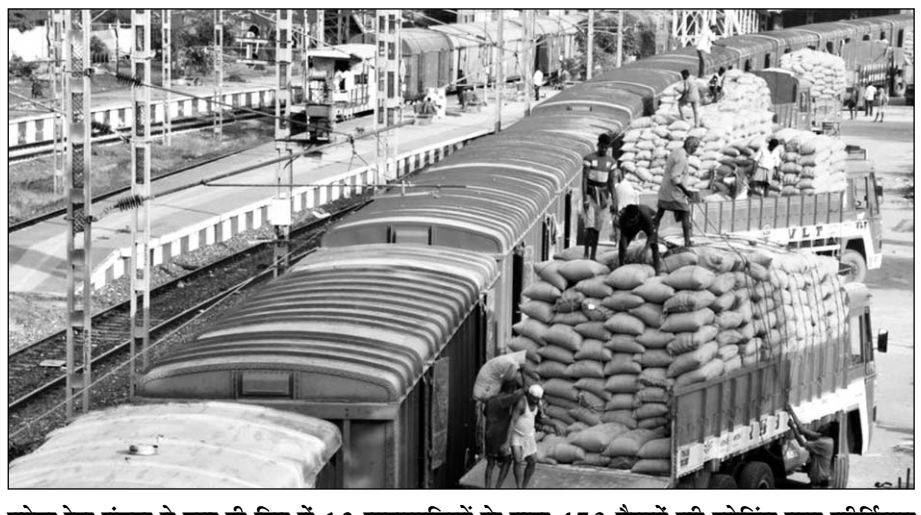
कोटा मंडल ने एक दिन में 479 वैगनों की लोडिंग कर नया रिकॉर्ड बनाया

कोटा, (निसं)। पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा मंडल ने मंडल रेल प्रबंधक अनिल कालरा के नेतृत्व में माल लदान के क्षेत्र में नया रिकॉर्ड कायम किया है। मंडल ने एक ही दिन में 10 मालगाड़ियों के कुल 479 वैगनों की लोडिंग कर चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 की सर्वाधिक दैनिक वैगन लोडिंग का नया कीर्तिमान स्थापित किया।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि इस दिन उर्वरक की 4 रेक, सीमेंट की 2 रेक, खाद्यान्न की 2 रेक, फ्लाई ऐश की 1 रेक तथा कंटेनर की 1 रेक सहित कुल 10 रेक लोड की गईं। इससे पूर्व 27 सितम्बर 2026 को 12 रेक में 439 वैगनों की लोडिंग का रिकॉर्ड दर्ज किया गया था। कोटा मंडल ने इस बार दो रेक कम होने के बावजूद 40 वैगन अधिक लोड कर नया रिकॉर्ड बनाया है।

यह उपलब्धि कोटा मंडल की बेहतर परिचालन दक्षता, उपलब्ध संसाधनों के प्रभावी उपयोग और माल लदान क्षमता को दर्शाती है। कम रेक में अधिक वैगनों की लोडिंग से मंडल ने माल परिवहन के क्षेत्र में अपनी कार्यकुशलता का परिचय देते हुए चालू वित्तीय वर्ष में नया मानक स्थापित किया है।

- चालू वित्तीय वर्ष की सर्वाधिक वैगन लोडिंग, पिछले रिकॉर्ड से 40 वैगन अधिक लदान



कोटा रेल मंडल ने एक ही दिन में 10 मालगाड़ियों के कुल 479 वैगनों की लोडिंग नया कीर्तिमान स्थापित किया है।

नगर निगम, कोटा
133वाँ राष्ट्रीय दशहरा मेला, कोटा
श्री राम रंगमंच पर आयोजित रामलीला मंचन के समापन के अवसर पर
भरत मिलाप शोभायात्रा
कैथूनीपोल से शुभारंभ। सायं 5 बजे
भरत मिलाप श्रीराम रंगमंच। सायं 7 बजे
श्रीराम राज्याभिषेक श्रीराम रंगमंच पर रात्रि 8.30 बजे
दिनांक : 21 अक्टूबर 2026, बुधवार
सम्माननीय अतिथि
श्री ताराचन्द जी गोयल, निदेशक गोयल समूह
पं. श्री गोविन्द शर्मा जी, विशेष आमंत्रित सदस्य, भाजपा राजस्थान।
श्री राजीव अग्रवाल जी (भारती), पूर्व महापौर नगर निगम कोटा
श्री बजरंग साबू, निदेशक शिव एडीबल
आप सपरिवार सादर आमंत्रित हैं
विनीत
अनुसुईया गोस्वामी, महापौर, नगर निगम कोटा
विवेक राजवंशी, उपमहापौर, नगर निगम कोटा
समस्त पार्षदगण, अधिकारी एवं कर्मचारीगण नगर निगम कोटा
राजस्थान संवाद